विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ
प्रथम अध्याय :-	1 से 28
1§ प्रेमचन्द के पूर्व हिन्दी कहानी ।	
2§ प्रेमचन्द समसामयिक हिन्दी कहानी ।	
3§ प्रेमचन्द के उपरान्त हिन्दी कहानी ।	
द्वितीय अध्याय:-	29 से 103
1§ नवीन यथार्थ ।	
2§ सातवें दशक से पूर्व हिन्दी कहानी में यथार्थ ।	
3§ सातवें दशक की हिन्दी कहानी में यथार्थ	
4§ व्यवस्थित मूल्य और परिनिष्ठित ।	
5§ कहानी के नव-प्रयोग में सफलता और असफलता ।	
तृतीय अध्याय :-	104 से 160
1§ सातवें दशक में हिन्दी कहानी का विकास	
2§ पूर्व पृष्ठभूमि ।	
3§ समसामयिक परिवेश ।	
4§ सातवें दशक में प्रमुख विशेषताएँ ।	

चतुर्थ अध्याय :- 161 से 239

सातवें दशक के प्रमुख कहानीकारों की कहानियों में नव-यथार्थ ।

पंचम अध्याय :- 240 से 275

1॥ सातवें दशक में हिन्दी कहानी की शैली ।

2॥ भाषा का नव-प्रयोग ।

3॥ शब्द समूह ।

4॥ मुहावरें और कहावतें ।

5॥ नव-बिम्ब ।

षष्ठ अध्याय :- 276 से 297

1॥ सातवें दशक के कहानी साहित्य में प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

2॥ पुनर्मूल्यांकन विगत यथार्थ का ।

उ प सं ह ा र :- 298 से 305

परिशिष्ट :- 306 से 315

सहायक ग्रन्थ सूची

अ॥ आलोचनात्मक ग्रन्थ ।

॥ कहानी संग्रह ।

॥ पत्र-पत्रिकाएँ ।

॥ अंग्रेज़ी ग्रन्थ ।